SPTTC TIMES

Newsletter

SPTTC

January to May 2022

Patron

Avinash Kumar
Secretary
SPTTC, Birsinghpur

Advisory Board

Shree Umacharan Singh
(Chairman)
SPTTC, Birsinghpur

Shree Maheshwar Thakur
Member OF IQAC

Shree Amitabh Kumar
Secretary PNET

Dr. Roli Dwivedi
Principal
SPTTC, Birsinghpur

Editorial Team

S.M.Tahseen.Alam Quadri
Coordinator
Mr. S.P. Chaudhary
Co-coordinator
Ms. Arpana Kumari
Member
Mr. Aditya Prakash
Member
Ms. Sweta Kumari
Member
Mr. Hasan Abad
Member

Editorial Office

St. Paul Teachers' Training College Birsinghpur, Samastipur

(Under Aegis of Parmeshwar Neeta Education Trust) Recognized by NCTE, Bhubaneshwar
Affiliated to L.N.Mithila University, Darbhanga (B.Ed.) & Bihar School Examination Board Patna (D.El.Ed.)
At- Jhahuri, Post-Birsinghpur, Block- Kalyanpur, District – Samastipur, Pin Code – 848102, Tel: 06274-294029
Email: sptcbirsinghpur@gmail.com
Website: www.spttcbir.org

In This Issue

Campus Buzz
Student Buzz
Photo Desk

SPTTC TIMES
Campus Buzz

अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

संत पॉल टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज बीरसिंहपुर,समस्तीपुर में मातृभाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए, इनके उपयोग को बढावा देने के उद्देश्य ये अन्तराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस दिनांक – 21.02.2022 को मनाया गया। छात्र–छात्राओं को अपनी मातृभाषा दिवस के अतिरिक्त अन्य भाषाओं के ज्ञान के साथ–साथ शिक्षण को भी रूचिकर एवं प्रशिक्षुओं में अति उपयोगी बनाने की दिशा में अभिनव प्रयास किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्या डॉ0 रोली द्विवेदी ने कार्यक्रम के शुभारंभ में छात्राओं एवं उपस्थित प्राध्यापकों का अभिनन्दन करतें हुए मातृभाषा का अभिनन्दन किया। उन्होने कहा कि मातृभाषा जीवन का मूलाधार है। यही व्यक्ति में चेतना का विस्तार करती है। महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापिका श्रीमति स्वेता कुमारी ने सदन को संबोधित करते हुए कहा कि माँ बच्चों की प्रथम गुरू होती है। शिशु का भावनात्मक लगाव के साथ शब्दिक सम्प्रेषण माँ से ही प्रारंभ होती है। मातृभाषा विचारो की सोच और समझ की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। दूसरी भाषाओं को समझने में इससे बल मिलता है। भाषा शिक्षक पवन कुमार ने कहा कि मातृभाषा जीवन का आधार है। कार्यक्रम का संचालक सहायक प्राध्यापक श्री सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी के द्वारा किया गया। समस्त कार्यक्रमों का आयोजन महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ के माध्यम से एवं हिन्दी विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

संत पॉल शिक्षक प्रशिण महाविद्यालय में दिनांक 28.02.2022 को विज्ञान दिवस प्रशिक्षु छात्र – छात्राओं के द्वारा मनाया गया। महाविद्यालय के छात्र – छात्राओं द्वारा विज्ञान मॉडल बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रर्दषन किया।

इस अवसर पर प्राचार्या डॉ0 रोली द्विवेदी एवं डी.एल. एड. विभागाध्यक्ष डॉ0 ए.पी. सिंह ने छात्र–छात्राओं द्वारा प्रदर्षित विज्ञान मॉडल का अवलोकन किया। प्राचार्या डॉ0 रोली द्विवेदी ने प्रशिक्षु छात्रों को संबोधन करते हुए कहा कि विज्ञान के प्रति जागरूकता की जरूरत है, ताकि हर बच्चा इसमें रूची ले और इनोवेषन की दिषा मे आगे बढ़े। इस अवसर पर डॉ0ए.पी.सिंह अपने सम्बोधन में कहा की बच्चो मे जिज्ञासुपन पनपने के लिए प्रेरित करे तभी वह किसी भी समस्या का हल निकालने की दिषा में सोच पाते है। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक तहसीन आलम कादरी, सहायक प्राध्यापक मो0 निजामूद्दीन, सहायक प्राध्यापक मनोंज कुमार, सहायक प्राध्यापक सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी , चन्द्रभुषण मिश्रा, आदित्य प्रकाश, श्याम किशोर सिंह, जीव कुमार सहायक प्राध्यापिका अर्पना कुमारी, मीना कुमारी, शिप्रा कुमारी, श्वेता कुमारी एवं महाविद्यालय के शिक्षकेत्तर कर्मी मौजूद थे।

SPTTC TIMES
Campus Buzz

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर व्याख्यान का आयोजन

सत पॉल टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज बीरसिंहपुर, समस्तीपुर में दिनांक – 08.03.2022 को महिला दिवस पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ0 रोली द्विवेदी ने कहा कि गलती आपकी नही हमारी प्रथाओं का है जिसमें समयनुसार परिवर्तन लाते रहना चाहिए। अन्य देशों मे भी महिलाओं कि स्थिति कुछ खास नहीं थी, पर (वहा के) लोगों ने महिलाओं के महत्व को समझते हुए उनके उत्थान के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए और नतीजन आज के विभिन्न देशों की सूची मे अव्वल स्थान पर बैठी है।

भारत अपनी परंपराओं के लिए पूरें विश्व मे प्रसिद्ध रहा है और अगर हम अपनी ही परमपराओं को सही मायने में अपना ले, तो हमें कभी इस दिवस को मनाने की जरूरत की नहीं पड़ेगीं।

महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापिका मीना कुमारी ने कहा कि भारत में नारी को देवी का स्वरूप माना जाता है,तो वही दूसरी तरफ आए दिन कोई नवजात लड़की सड़क किनारे या कूड़ेदान मे मृत मिलती है। हालांकि एक खास दिन को मना लेने मात्र से महिलाओं का विकास नहीं हो पाएगा।यह दिवस आपकों हर वर्ष यह सोचने पर मजबूर करता है कि आप महिलाओं के प्रति अपनी सोच बदले और हर वर्ष इस दिन खुद को आंके कि आखिर महिलाओं के लिए पूरे वर्ष अपने क्या किया। अर्थात महिलाओं को सभी जगह सम्मान देने का प्रयास।

दो दिवसीय सेमिनार

संत पॉल टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज बीरसिंहपुर समस्तीपुर में दिनांक – 09.03.2022 से 10.03.2022 तक दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेमिनार का विधिवत शुभारंभ दीप प्रज्वलित संयुक्त रूप से महाविद्यालय के सचिव महोदय, प्राचार्या महोदया मि0वि0 के वरिष्ठ प्राध्यापक मुनेश्वसर यादव जी, परीक्षा नियंत्रक अशोक कुमार मेहता जी एवं प्राचार्य ज्ञानदेव त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ज्ञानदेव त्रिपाठी ने नई शिक्षा नीति– 2020 क्रियान्वयन में प्रमुख चुनौतियाँ पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत एक बहुभाषी, बहु सांस्कृतिक और विकासशील राष्ट्र है जिसकी परिवर्तित ग्लोबल परिस्थितियों में नवीन आवश्यकताएँ है।

इसके लिए हमे एक ऐसा शैक्षिक ढांचा खड़ा करना होगा जिससे युवा शिक्षत, प्रशिक्षित और नवाचारी हो। इसके लिए यह आवश्यक है कि समावेशी और गुणवत्ता युक्त शिक्षा सुनिश्चित की जाय। भारत को सक्षम और आत्मनिर्भर तथा सामर्थ बनाने हेतु नई शिक्षा नीति का ड्राफ्ट आवश्यक हो गया था। उन्होने कहा कि क्रियान्वयन के लिए मार्गदर्शी 7 सिद्धांत की पहचान कि गई है –

(1) नीति की भावना का प्रयोजन (2) चरणबद्ध तरीके से क्रियान्वयन (3) प्राथमिकता के आधार पर कार्य करना (4) व्यापकता (5) केन्द्र व राज्य मे समन्वयन (6) मानव संरचनागत वित्तिय संसाधनों को सुचना और (7) विभिन्न उपायों के बीच परस्पर जुड़ाव का सार व सावधानी पूर्वक विश्लेषण और समीक्षा कर आगे बठाना। मिथिला विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर अशोक कुमार मेहता ने कहा कि सबसे बड़ी चुनौती सैक्षणिक ढांचा विकसित करने की है। इसके लिए अभी तक कोई कोई फ्रेमवर्क सामने नहीं आया। जी.डी.पी. का 6 प्रतिशत धन राशि आवंटन का प्रावधान पूर्व में किया जा चुका है पर धरातल पर उतरना और बजट में समन्वय करना चुनौती पूर्ण होगा जबकि पिछले वर्ष वर्तमान सरकार ने शिक्षा में कटौती की है।

SPTTC TIMES
Campus Buzz

सूचना एवं संचार प्रौद्यौगिकी तकनीक उपयोग पर व्याख्यान का आयोजन

महाविद्यालय मे दिनांक – 08.04.2022 को सूचना एवं संचार प्रौद्यौगिक तकनीक के उपयोग पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। विशेषज्ञ ने इसका उपयोग एवं दूरूपयोग पर विस्तार से चर्चा किया। उन्होने इसके महत्व पर भी चर्चा किया। किस प्रकार से आज सूचनाए एकत्र करना आसान हो गया है तकनीकि के माध्यम से इसके उपयोग से संसार सिमट गया है। घर बैठे– बैठे इस तकनीक के माध्यम से विश्व मे कहाँ क्या हो रहा है ? यह जानना बिल्कुल आसान हो गया है। कोरोना काल मे जब विश्व मे त्राहिमाम की स्थिति थी तब इस ICT के माध्यम से हम एक दूसरे घर मे रहकर तमाम तरह के सूचनाएँ एकत्र कर रहे थे।छात्र घर मे रहकर शैक्षिक गतिविधि से जुड़े हुए थे। कोरोना से किस प्रकार अपना बचाव करे यह भी हम टी.वी और स्मार्ट फोन के माध्यम से जान रहे थे। अगर ऐसी तकनीक उस समय नही होती तो न जाने क्या होता है? यह सोचकर ही मन विचलित हो जाता है। इस तकनीक के माध्यम से हम विभिन्न प्रकार की सूचनाओं को आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेज सकते है। इस तकनीक ने जीवन को सरल बना दिया है। इस तकनीक के जानकारी के अभाव में किसी को आज के समय मे हम साक्षर नहीं मान सकते है। आज सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के ज्ञान के अभाव में शिक्षा एवं विकास की कल्पना नहीं की जा सकती है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्या डॉ0 रोली द्विवेदी , सहायक प्रध्यापक मनोज कुमार, तहसीन आलम कादरी, सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी, मो निजामुद्दीन, चन्द्र भुषण मिश्रा, श्याम किशोर सिंह, मुकेश कुमार, पवन कुमार एवं सभी शिक्षकेत्तर कर्मचारी मौजूद थे।

<u>योगा कार्यक्रम</u>

आज दिनांक – 16.04.2022 को संत पॉल टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज बीरसिंहपुर, समस्तीपुर में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया , जो दस दिनों तक चला। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्या डॉ0 रोली द्विवेदी ने दीप प्रज्जवलित कर विधिपूर्वक शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में उन्होने कहा कि योग का मानव जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। आज हम सभी को संकल्प लेने कि आवश्यकता है कि अच्छे स्वास्थ के लिए योग को हम सभी को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। तभी योग दिवस की सार्थकता होगी। उन्होनें कहा कि योग के द्वारा सभी बीमारी को दूर किया जा सकता है। इस कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक स्वामी प्राणदेव एवं प्रभारी संजीव कुमार एवं खेल शिक्षक पार्थ घोष को बनाया गया। योगक्रम में प्रशिक्षक प्राणदेव के अनुलोम,विलोम,कपाल भांति,पदमासन, भुजंगासन, चक्रासन,त्रिकोनासन, तारासन,बज्रासन सूर्यप्रणायम आदि योग विधियों के विषय में प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक सुरेन्द्र प्रासाद चौधरी ने किया। कार्यक्रम में प्राध्यापकगण क्रमचारीगण एवं महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षुओं ने भाग किया।

SPTTC TIMES
Campus Buzz

Two day Educational excursion on 29th & 30th April 2022.

Our College St. Paul Teachers' Training College Birsinghpur took B.Ed. session 2021-23 Students on educational trip to Rajgir.

Rajgir has different places to visit mainly because of geographical and historical perspective like Vishal Shanti Stupa, Pandu Pokhar, Griddakuta Peak, Rajgir hot springs, Hiuen Tsang Memorial hall.

Importance of these places are that student will learn about historical monuments and also know about which era these places built.

Importance of educational excursion in B.Ed. Curriculum is that to connect the knowledge of classroom to outside the classroom. Culture of our country will also be shown in different places in an educational excursion. Student explore their knowledge and ideas by visiting such places because they have already read these in a text-book by seeing such place in real their knowledge will increases and become concrete. That is why in B.Ed. Curriculum NCTE has laid emphasis educational tour.

<u>रविन्द्रनाथ टैगोर जयंती</u>

संत पॉल टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज बीरसिंहपुर, समस्तीपुर के सभागार में 07.05.2022 को विश्व कवि रविन्द्रनाथ टैगोर जयंती मनाई गई। कार्यक्रमे आरंभ में महाविद्यालय के प्राचार्या डॉ0 रोली द्विवेदी एवं प्राध्यापक मनोज कुमार, तहसीन आलम कादरी, सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी, मुकेश कुमार, संतोष कुमार, चन्द्रभुषण मिश्रा, मो0 निजामुद्दीन, नरेन्द्र कुमार एवं संगीत प्राध्यापक संजीव कुमार ने टैगोंर के चित्र पर पुष्प अर्पित किया तथा दीप प्रज्जवलन भी किया बी.एड. की छात्र अध्यापिकाएँ कुसुम कुमारी, अमिषा कुमारी, अनामिका कुमारी, ज्योति कुमारी एवं नेहा कुमारी ने संयुक्त भावपूर्ण संगीत एकल चलों रे .... प्रस्तुत किया गया। हिन्दी काव्य पाठ जो टैगोर के द्वारा रचित है, 'वरदान' राहुल कुमार के द्वारा प्रस्तुत किया गया। सहायक प्राध्यापक सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी ने टैगोर की लोक प्रिय कहानी 'काबुलीवाला' प्रस्तुत कर पूरे सभागार को भावुक कर दिया। कार्यक्रम के अन्त में धन्यवाद ज्ञापन माहाविद्यालय के प्राचार्या डॉ0 रोली द्विवेदी द्वारा किया गया कार्यक्रम का सफल संचालन सहायक प्राध्यापक आदित्य प्रकाश ने किया। इस कार्यक्रम में कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी छात्र–छात्राएँ एवं शिक्षकेत्तर कर्मी भी उपस्थि रहे।

SPTTC TIMES

Campus Buzz

जे. कृष्णमूर्ति जयंती

महान दार्शनिक,शिक्षाविद प्रखर प्रवक्ता जे.कृष्णमूर्ति का जयंती संत पॉल टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज बीरसिंहपुर, समस्तीपुर में बड़ी उत्सुक्ता के साथ मनाई गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्या डॉ0 रोली द्विवेदी एवं प्राध्यापक के द्वारा पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्जवलित किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्या ने कहा कि जे. कृष्णमूर्ति का दर्शन मानसिक क्रांति पर आधारित था। बुद्धि की प्रकृति ध्यान और समाज में सकारात्मक परिवर्तन किस प्रकार लाया जा सकता है, इस पर उन्होनें अनेक प्रवचन दिये। उन्होंने यह भी कहा कि प्रेम के बिना आप कुछ भी करें, आप कर्म की सम्पूर्णता को नहीं जान सकते। अकेला प्रेम ही व्यक्ति को बचा सकता है। यही सत्य है। वास्तव में हम उतने सहज–सरल नहीं रह गए है, जितना होना चाहिए। क्योंकि हमें अधिक प्रतिष्ठा पानें, सामने वाले की अपेक्षा विशेष होने की कोशिश में लगें रहते है। यह सब अपने लिए है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी ने कहा कि प्रेम के बिना आप नैतिक नहीं हो सकते। वास्तव में आपके पास प्रेम है ही नहीं.....शब्द से उपस्थित प्रशिक्षुओं का उत्साह वर्द्धन किया।

Photo Desk